पर्यावरण समिति रिपोर्ट

(2025–2026)

शैक्षणिक वर्ष 2025–2026 के दौरान पर्यावरण समिति द्वारा पर्यावरण संरक्षण, सतत विकास, स्वच्छता, अपशिष्ट प्रबंधन, जल संरक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा एवं जलवायु जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से निम्नलिखित गतिविधियों का आयोजन एवं संचालन किया गया:

• राष्ट्रीय छात्र पर्यावरण प्रतियोगिता (NSPC) 2025 में 'HARIT – The Way of Life' के अंतर्गत सहभागिता (21 अगस्त 2025)

ईको-क्लब 'प्रकृतिक' ने 1 जुलाई से 21 अगस्त 2025 तक आयोजित राष्ट्रीय छात्र पर्यावरण प्रतियोगिता (NSPC) 2025 में 'HARIT – The Way of Life' विषय के अंतर्गत सक्रिय रूप से सहभागिता की। इस राष्ट्रीय स्तर की क्विज़ प्रतियोगिता का आयोजन पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC), भारत सरकार द्वारा किया गया था।

इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरणीय जागरूकता, सतत जीवनशैली एवं पर्यावरण संरक्षण की भावना को बढ़ावा देना तथा युवाओं की संरक्षण संबंधी गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना था। महाविद्यालय के प्रत्येक प्रतिभागी को भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया, जो हरित एवं सतत भविष्य के निर्माण की दिशा में उनके योगदान का सम्मान है।

• महात्मा गांधी जलवायु परिवर्तन निराकरण संस्थान (MGICCC) द्वारा आयोजित संकाय प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहभागिता (7 एवं 8 अगस्त 2025)

महात्मा गांधी जलवायु परिवर्तन निराकरण संस्थान (Mahatma Gandhi Institute for Combating Climate Change – MGICCC) द्वारा पर्यावरण समिति के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में संकाय सदस्यों ने सहभागिता की। प्रशिक्षण का उद्देश्य जल संरक्षण, सतत संसाधन प्रबंधन तथा नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में संकाय सदस्यों के ज्ञान एवं व्यावहारिक समझ को सुदृढ़ करना था।

दिनांक: 7 अगस्त 2025 – 'वर्षा जल संचयन' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

'वर्षा जल संचयन' विषय पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य जल संरक्षण एवं सतत संसाधन प्रबंधन के संबंध में ज्ञान को सुदृढ़ करना था। डॉ. प्रतिमा सिंह, डॉ. रुचिरा दास एवं डॉ. केसर सिंह ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहभागिता की।

प्रशिक्षण में वर्षा जल के संग्रहण एवं संस्थागत स्तर पर इसके प्रभावी क्रियान्वयन की व्यावहारिक तकनीकों पर चर्चा की गई। संस्थागत परिसरों के लिए उपयुक्त सरल एवं कम लागत वाली विधियों पर भी विशेष बल दिया गया। विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न मॉडल संरचनाओं का प्रदर्शन किया गया तथा उनके दीर्घकालिक पर्यावरणीय लाभों को समझाया गया।

प्रशिक्षण ने संकाय सदस्यों को जल संरक्षण की आदतों को बढ़ावा देने तथा महाविद्यालय में सतत पर्यावरणीय पहलों के समर्थन एवं क्रियान्वयन के लिए प्रेरित किया।

दिनांक: 8 अगस्त 2025 – 'सतत विकास के लिए नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकियाँ' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

'सतत विकास के लिए नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकियाँ' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा समाधानों के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। नामित संकाय सदस्यों डॉ. केसर सिंह, डॉ. रितु अठैया एवं सुश्री कविता सागर ने इस सत्र में सहभागिता की।

कार्यक्रम में जलवायु परिवर्तन से निपटने एवं पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने में नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों की भूमिका पर प्रकाश डाला गया। संस्थागत उपयोग के लिए उपयुक्त सौर, पवन एवं जैव-ऊर्जा प्रणालियों के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। विशेषज्ञों ने ऊर्जा दक्षता के लिए व्यावहारिक अनुप्रयोगों एवं लागत-प्रभावी मॉडलों का प्रदर्शन भी किया।

प्रशिक्षण ने संकाय सदस्यों को परिसर समुदाय में नवीकरणीय ऊर्जा आधारित प्रथाओं को अपनाने तथा उनके प्रति जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया।

● अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर विशेष सत्र (12 अगस्त 2025)

विषय: 'दिल्ली की कचरे से मुक्ति' अभियान (1–30 अगस्त 2025)

12 अगस्त 2025 को अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर *'दिल्ली की कचरे से मुक्ति'* अभियान के अंतर्गत एक विशेष जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। यह पहल दक्षिण क्षेत्र के उपायुक्त की अध्यक्षता में आयोजित की गई थी, जिसका उद्देश्य एक स्वच्छ, हरित एवं स्वस्थ दिल्ली के निर्माण को बढ़ावा देना था।

अभियान में सक्रिय सामुदायिक सहभागिता पर विशेष बल दिया गया तथा युवाओं की भागीदारी को महत्वपूर्ण माना गया। सत्र के दौरान विद्यार्थियों को कचरा पृथक्करण, पुनर्चक्रण की प्रथाओं एवं कचरे के उत्तरदायी निपटान के बारे में जागरूक किया गया।

वक्ताओं ने दीर्घकालिक स्वच्छता लक्ष्यों को प्राप्त करने में व्यवहार परिवर्तन के महत्व पर प्रकाश डाला। युवा पीढ़ी के विचारों एवं व्यवहार को प्रभावित करने में शैक्षणिक संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका को भी रेखांकित किया गया। संकाय सदस्यों ने विद्यार्थियों को अपने आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता अभियानों का नेतृत्व करने के लिए प्रोत्साहित किया।

संवादात्मक गतिविधियों एवं चर्चाओं ने युवाओं को अभियान में सार्थक योगदान देने के लिए प्रेरित किया। सत्र का समापन परिसर एवं उसके बाहर सतत अपशिष्ट प्रबंधन की प्रथाओं को अपनाने की शपथ के साथ हुआ।

● 'दिल्ली की कचरे से मुक्ति' अभियान के अंतर्गत स्वच्छता शपथ

'दिल्ली की कचरे से मुक्ति' अभियान के अंतर्गत विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से स्वच्छता शपथ ली तथा अपने आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ एवं कचरा-मुक्त बनाए रखने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

विद्यार्थियों ने कचरे का उचित पृथक्करण करने, एकल-उपयोग प्लास्टिक के प्रयोग को कम करने तथा अन्य लोगों को पर्यावरण-अनुकूल आदतें अपनाने के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया। उन्होंने अपने घरों, महाविद्यालय परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता बनाए रखने तथा स्वच्छ, हरित एवं स्वस्थ दिल्ली के निर्माण से संबंधित पहलों में सक्रिय भागीदारी का भी संकल्प लिया।

इस शपथ का उद्देश्य विद्यार्थियों में उत्तरदायी नागरिकता एवं पर्यावरण संरक्षण की भावना को सुदृढ़ करना तथा युवाओं के बीच पर्यावरणीय जिम्मेदारी की संस्कृति को बढ़ावा देना था।

● 'दिल्ली की कचरे से मुक्ति' अभियान के अंतर्गत अपशिष्ट प्रबंधन पर पोस्टर-निर्माण गतिविधि

'दिल्ली की कचरे से मुक्ति' अभियान के अंतर्गत विद्यार्थियों को स्वच्छता एवं सतत अपशिष्ट प्रबंधन के प्रति रचनात्मक रूप से जागरूक करने के लिए अपशिष्ट प्रबंधन पर पोस्टर-निर्माण गतिविधि का आयोजन किया गया।

विद्यार्थियों ने कचरे का पृथक्करण, पुनर्चक्रण एवं प्लास्टिक के उपयोग को कम करने जैसे विषयों पर आकर्षक एवं संदेशपरक पोस्टर तैयार किए। इस गतिविधि ने विद्यार्थियों को अपने विचारों को रचनात्मक एवं दृश्यात्मक रूप से अभिव्यक्त करने तथा सतत अपशिष्ट प्रबंधन के प्रति जागरूकता फैलाने का अवसर प्रदान किया।

कई पोस्टरों में नवीन संदेशों एवं प्रभावशाली कलाकृतियों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश प्रस्तुत किया गया। इस गतिविधि ने विद्यार्थियों को कला एवं जागरूकता के माध्यम से स्वच्छ एवं हरित दिल्ली के निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

● दृश्य सौंदर्यीकरण अभियान: 'कचरे से सुंदरता की ओर'

महाविद्यालय परिसर में 'Transforming Trash to Treasure – कचरे से सुंदरता की ओर' विषय पर एक दृश्य सौंदर्यीकरण अभियान आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य अव्यवस्थित एवं उपेक्षित स्थानों को स्वच्छ, व्यवस्थित एवं आकर्षक क्षेत्रों में परिवर्तित करना था।

अभियान के दौरान प्रतिभागियों ने कचरे को जैव-अवक्रमणीय, पुनर्चक्रण योग्य एवं पुनः उपयोग योग्य श्रेणियों में अलग किया तथा उसके उचित निपटान या रचनात्मक पुनः उपयोग को सुनिश्चित किया। स्थान की सफाई के बाद वहाँ गमले में पौधे, साधारण सजावटी सामग्री तथा पुनः उपयोग की गई वस्तुओं से तैयार दीवार कला का प्रयोग कर सौंदर्यीकरण किया गया।

इस परिवर्तन को गतिविधि से पहले एवं बाद के छायाचित्रों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया, जिससे उत्तरदायी अपशिष्ट प्रबंधन के सकारात्मक प्रभाव को स्पष्ट रूप से दर्शाया जा सके। इस पहल ने विद्यार्थियों को स्वच्छ परिवेश के महत्व को समझने तथा सतत एवं पर्यावरण-अनुकूल सौंदर्यीकरण प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया।

• पर्यावरण जागरूकता पर नुक्कड़ नाटक (29 अगस्त 2025)

29 अगस्त 2025 को महाविद्यालय परिसर में विद्यार्थियों द्वारा पर्यावरण जागरूकता पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। इसका उद्देश्य पर्यावरण के संरक्षण एवं संवर्धन के महत्व के प्रति विद्यार्थियों एवं दर्शकों को जागरूक करना था।

नाटक के माध्यम से प्रदूषण, अपशिष्ट प्रबंधन एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण पर्यावरणीय मुद्दों को प्रभावशाली संवाद एवं सशक्त अभिनय के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। नुक्कड़ नाटक ने दर्शकों को सक्रिय रूप से जोड़ा तथा उन्हें दैनिक जीवन में पर्यावरण-अनुकूल व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित किया।

यह प्रस्तुति प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा एवं पर्यावरणीय क्षति को कम करने के लिए हमारी सामूहिक जिम्मेदारी का प्रभावशाली संदेश देने में सफल रही। इस पहल ने विद्यार्थियों एवं दर्शकों को स्वच्छ एवं हरित समुदाय के निर्माण की दिशा में छोटे लेकिन सार्थक कदम उठाने के लिए प्रेरित किया।

• 'बीज युक्त पुनर्चक्रित कागज़ बनाने' पर प्रदर्शन-सह-कार्यशाला (27 अगस्त 2025)

ईको-क्लब ने पर्यावरण समिति, IHE के सहयोग से 27 अगस्त 2025 को *'बीज युक्त पुनर्चक्रित कागज़ बनाने पर प्रदर्शन-सह-कार्यशाला'* का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों को बीज युक्त पुनर्चक्रित कागज़ तैयार करने का व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया गया। कार्यशाला के माध्यम से विद्यार्थियों को नवाचार एवं सतत पर्यावरण-अनुकूल प्रथाओं से परिचित कराया गया।

सक्रिय सहभागिता के माध्यम से विद्यार्थियों ने पुनर्चक्रण के महत्व एवं पारिस्थितिक उत्तरदायित्व को समझा। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरणीय जागरूकता विकसित करना तथा उन्हें हरित एवं सतत भविष्य के निर्माण के लिए अपने दैनिक जीवन में पर्यावरण-अनुकूल आदतों को अपनाने हेतु प्रेरित करना था।

• प्रदूषण नियंत्रण हेतु आईसीटी उपकरणों के माध्यम से नागरिकों को सशक्त बनाने पर कार्यशाला में सहभागिता (16 अक्टूबर 2025)

ईको-क्लब 'प्रकृतिक' एवं पर्यावरण समिति ने 16 अक्टूबर 2025 को दिल्ली सचिवालय में पर्यावरण विभाग द्वारा आयोजित *'प्रदूषण नियंत्रण हेतु आईसीटी उपकरणों के माध्यम से नागरिकों को सशक्त बनाना'* विषयक कार्यशाला में सहभागिता की।

कार्यशाला में विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुतियाँ, संवादात्मक चर्चाएँ एवं विभिन्न तकनीकी उपकरणों का प्रदर्शन किया गया। इसमें यह बताया गया कि प्रदूषण नियंत्रण एवं पर्यावरण संरक्षण में प्रौद्योगिकी किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

माननीय मंत्री (पर्यावरण एवं वन), GNCTD की उपस्थिति में आयोजित इस कार्यशाला ने नागरिकों को स्वच्छ एवं स्वस्थ पर्यावरण के निर्माण के लिए आईसीटी-आधारित समाधानों को अपनाने **तथा पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया।**

• युवा जलवायु परिवर्तन कार्यक्रम पर संवादात्मक सत्र (12 नवंबर 2025)

ईको-क्लब 'प्रकृतिक' एवं पर्यावरण समिति द्वारा 12 नवंबर 2025 को *'यंग क्लाइमेट चैंपियंस अवॉर्ड्स'* पर एक संवादात्मक सत्र का आयोजन किया गया। यह भारत के प्रतिष्ठित अर्थ केयर अवॉर्ड्स के 13वें संस्करण की एक महत्वपूर्ण श्रेणी थी, जिसका आयोजन JSW द्वारा द टाइम्स ऑफ इंडिया के सहयोग से किया गया था। EARTHDAY.ORG इस पहल का अखिल भारतीय आउटरीच पार्टनर था।

सत्र में विद्यार्थियों को जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए नवीन विचारों एवं दोहराए जा सकने वाले प्रभावी समाधानों को प्रोत्साहित करने वाले इस विशेष मंच के बारे में जानकारी दी गई। EARTHDAY.ORG के एक वरिष्ठ प्रतिनिधि द्वारा सत्र का संचालन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों को पुरस्कारों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी, प्रभावशाली प्रविष्टियाँ तैयार करने के लिए व्यावहारिक मार्गदर्शन तथा उनके प्रश्नों पर प्रत्यक्ष संवाद का अवसर मिला।

सक्रिय सहभागिता के माध्यम से विद्यार्थियों ने हरित अर्थव्यवस्था, ग्रीन स्टार्ट-अप्स एवं सतत आजीविका के उभरते अवसरों के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस पहल का उद्देश्य युवाओं को स्थिरता से जुड़ी चुनौतियों के बारे में आलोचनात्मक एवं रचनात्मक ढंग से सोचने, उन्हें वास्तविक अवसरों में परिवर्तित करने तथा भविष्य के ऐसे पेशेवरों एवं उद्यमियों के रूप में विकसित होने के लिए प्रेरित करना था, जो जलवायु कार्रवाई एवं सतत विकास में सक्रिय योगदान दे सकें।

• वैज्ञानिक एवं व्यावसायिक शिक्षा (SAVE) शिखर सम्मेलन में सहभागिता (12 मार्च 2026, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली)

ईको-क्लब 'प्रकृतिक' ने पर्यावरण समिति के सहयोग से 12 मार्च 2026 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित Scientific and Vocational Education (SAVE) Summit में सहभागिता की।

शिखर सम्मेलन के दौरान दोनों समितियों के सदस्यों को 'Green and Sustainable Education Leadership Award' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान पर्यावरणीय स्थिरता एवं हरित पहलों को बढ़ावा देने के लिए किए गए समर्पित प्रयासों के लिए प्रदान किया गया।

इस पुरस्कार ने संस्थान की पर्यावरण संरक्षण, पर्यावरण-अनुकूल प्रथाओं एवं सततता संबंधी शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को मान्यता प्रदान की। शिखर सम्मेलन ने सतत विकास एवं पर्यावरणीय नेतृत्व से संबंधित नवीन विचारों को सीखने, विभिन्न विशेषज्ञों एवं प्रतिभागियों के साथ नेटवर्किंग करने तथा अनुभवों एवं विचारों के आदान-प्रदान के लिए एक उत्कृष्ट मंच प्रदान किया।

(2025-2026)

During the academic year 2025–2026, the Environment Committee organized and conducted the following activities:

- **Participated in National Student Paryavaran Competition (NSPC) 2025 under HARIT – The Way of Life (21st August 2025)**

  Eco-Club 'PRAKRITIK' actively participated in the National Student Paryavaran Competition (NSPC) 2025 under the theme '*HARIT – The Way of Life'* during 1st July to 21st August 2025. Organized by the Ministry of Environment, Forest & Climate Change (MoEFCC), Government of India, this national-level quiz initiative promotes environmental awareness, sustainable practices, and youth participation in conservation. Every participant from college has received a Government-recognized certificate, marking their contribution towards building a greener tomorrow.

Event Poster

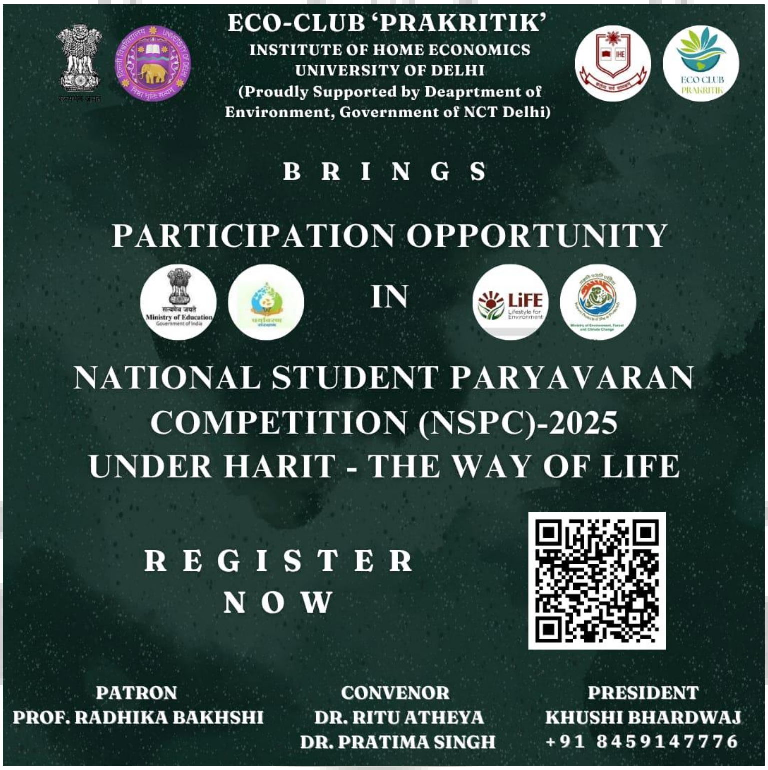

- **Report on Faculty Training Participation (Environment Committee) organised by MGICCC ((Mahatma Gandhi Institute for Combating Climate Change) on 7th August and 8th August 2025**

Date: 7th August 2025

A Training Programme on *"Rain Water Harvesting"* was organised to strengthen knowledge of water conservation and sustainable resource management. Faculty members Dr. Pratima Singh, Dr. Ruchira Das, and Dr. Kesar Singh participated in the programme, which focused on practical techniques for rainwater collection and institutional implementation. The session also highlighted simple low-cost methods suitable for institutional campuses. Experts demonstrated model structures and explained their long-term environmental benefits. The training encouraged faculty to promote water-saving practices and support sustainable initiatives within the college.

Date: 8th August 2025

A Training Programme on *"Renewable Energy Technologies for Sustainable Development"* was held to enhance awareness about clean and green energy solutions. The nominated faculty—Dr. Kesar Singh, Dr. Ritu Atheya, and Ms. Kavita Sagar—attended the session, which highlighted the importance of renewable technologies in addressing climate change and promoting environmental sustainability. The programme included insights into solar, wind, and bioenergy systems suited for institutional use. Experts demonstrated practical applications and cost-effective models for energy efficiency. The training encouraged faculty to adopt and advocate for renewable practices within the campus community.

- **Report on the Session Held on 12th August 2025 (International Youth Day)**
  Theme: *“Delhi’s Freedom From Garbage” Campaign (1st–30th August 2025)*

  A special session was conducted on 12th August 2025 to mark International Youth Day under the ongoing *“Delhi’s Freedom From Garbage”* Campaign. The initiative, organised under the chairmanship of the Deputy Commissioner, South Zone, aims to promote a cleaner, greener, and healthier Delhi. The campaign emphasises active community participation, with a strong focus on youth engagement. During the session, students were sensitised about waste segregation, recycling practices, and responsible disposal. Speakers highlighted the importance of behavioural change in achieving long-term cleanliness goals. The role of academic institutions as key influencers of young minds was strongly emphasised. The faculty encouraged students to take leadership in neighbourhood cleanliness drives. Interactive activities and discussions motivated youth to contribute meaningfully to the campaign. The session concluded with a pledge to support sustainable waste management practices within and beyond the campus.

- **Pledge on Swachhta under the “Delhi’s Freedom From Garbage” Campaign**

  As part of the *“Delhi’s Freedom From Garbage”* Campaign, students collectively took a Swachhta Pledge, reaffirming their commitment to keeping their surroundings clean and litter-free. They pledged to practise proper waste segregation, reduce the use of single-use plastics, and encourage others to adopt eco-friendly habits. The students also committed to maintaining cleanliness in their homes, campus, and neighbourhoods, and to actively participate in initiatives that promote a cleaner, greener, and healthier Delhi. The pledge aimed to inspire responsible citizenship and strengthen the culture of environmental stewardship among the youth.

- **Poster-making activity on waste management under the "Delhi's Freedom From Garbage" Campaign**

  A poster-making activity on waste management was organised under the "Delhi's Freedom From Garbage" Campaign to engage students creatively in promoting cleanliness. Participants designed posters highlighting themes such as waste segregation, recycling, and reducing plastic use. The activity encouraged students to express their ideas visually and spread awareness about sustainable waste practices. Many posters showcased innovative messages and impactful artwork. The event successfully motivated students to contribute to a cleaner and greener Delhi through art and advocacy.

- **Visual Beautification Drive: Transforming Trash to Treasure**

  A "Transforming Trash to Treasure" beautification drive was conducted in the college premises to turn cluttered spaces into clean, organised, and visually appealing areas. Participants sorted waste into biodegradable, recyclable, and reusable categories before ensuring proper disposal or creative reuse. Once cleared, the space was enhanced with potted plants, simple décor, and wall art made from repurposed materials. The transformation was captured through before-and-after photographs, highlighting the positive impact of responsible waste management. The initiative encouraged students to value clean surroundings and promote sustainable beautification practices.

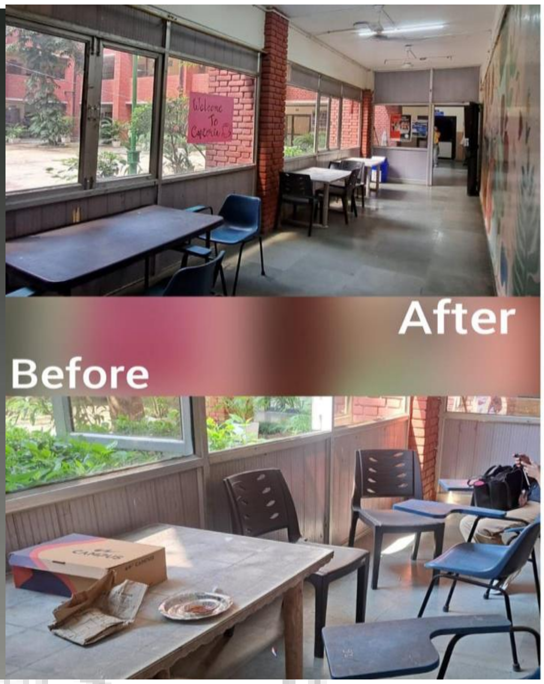

- **Nukkad Natak on Environmental Awareness (29th August 2025)**

  Students presented a *Nukkad natak* on environmental awareness in the college to highlight the importance of protecting and preserving the environment. The performance addressed issues such as pollution, waste management, and resource conservation through impactful dialogues and expressive acting. The street play successfully engaged the audience and motivated them to adopt eco-friendly practices in their daily lives. It served as a strong reminder of our collective duty to safeguard natural resources and reduce environmental harm. The initiative inspired viewers to take small yet meaningful actions toward building a cleaner, greener community.

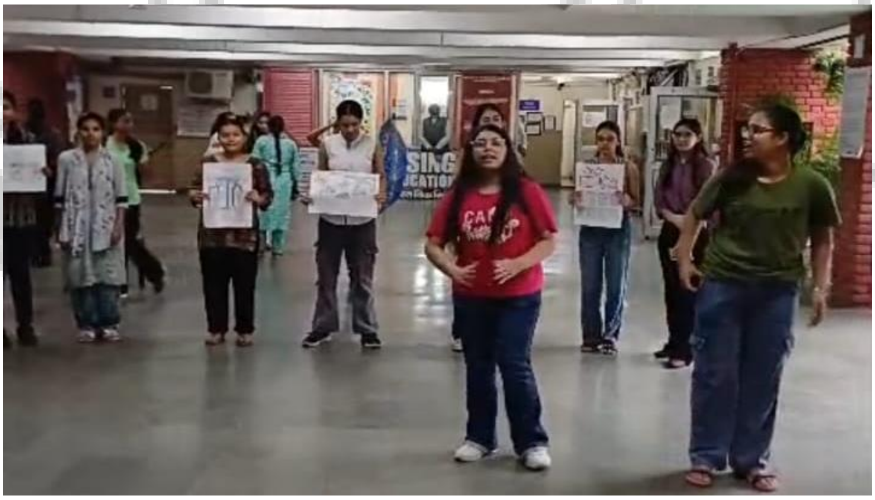

- **Demonstration-cum-Workshop on "Making Seed Recycled Paper" (27th August, 2025)**

  The Eco-club in collaboration with the Environment committee, IHE organized the *'Demonstration cum Workshop on Making Seed Recycled Paper'* on 27th August 2025. The event provided students with practical experience in creating recycled paper embedded with seeds, promoting innovative and sustainable practices. Through active participation, students learned the importance of recycling and ecological responsibility. The workshop aimed to inspire ecological awareness and motivate students to incorporate environmentally sustainable habits for a greener future.

- **Participated in Workshop on Empowering Citizens Through ICT Tools for Pollution Control (16th October 2025)**

  The Eco-club 'Prakritik' and Environment Committee participated in the Workshop on *'Empowering Citizens through ICT Tools for Pollution Control'* organized by the Department of Environment on 16th October 2025 at the Delhi Secretariat. The session featured expert presentations, interactive discussions, and demonstrations, highlighting how technology can support pollution control. In the presence of the Hon'ble Minister (Environment & Forest), GNCTD, the workshop encouraged citizens to adopt ICT-driven solutions for a cleaner and healthier environment.

- **Session on Young Climate Change Program (12th November 2025)**

The Eco-Club 'Prakritik' and Environment Committee organized an interactive session on 12th November 2025 on the 'Young Climate Champions Awards', a key category of the 13th edition of India's prestigious Earth Care Awards, on behalf of JSW in collaboration with The Times of India. With EARTHDAY.ORG serving as the All-India Outreach Partner, the session introduced students to

an exceptional platform designed to inspire innovative ideas and replicable solutions to combat climate change. Led by a senior representative from EARTHDAY.ORG, the session provided insider insights into the awards, practical guidance for crafting impactful entries, and direct engagement with student queries. Through active participation, students gained awareness of the opportunities within the green economy, including the rise of green startups and sustainable livelihoods. The initiative aimed to motivate youth to think critically and creatively, transforming sustainability challenges into real opportunities and preparing them to become future professionals and entrepreneurs driving climate action.

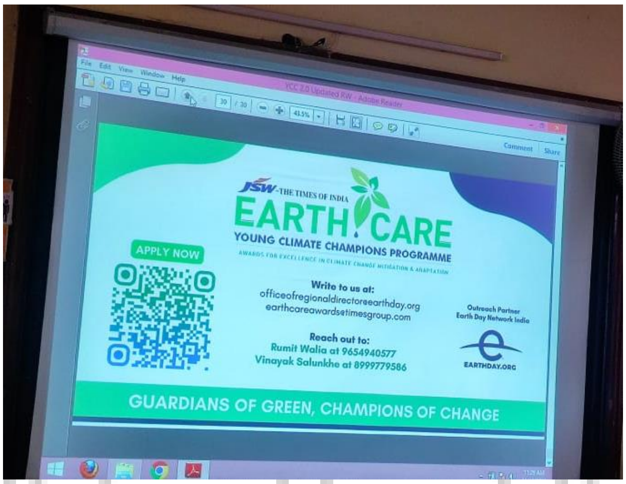

- **Participation in Scientific and Vocational Education (SAVE) Summit on 12 March 2026 at the India International Centre, New Delhi.**

Eco-Club Prakritik, in collaboration with the Environment Committee, participated in the Scientific and Vocational Education (SAVE) Summit on 12 March 2026 at India International Centre. During the summit, members of both committees were honoured with the 'Green and Sustainable Education Leadership Award' in recognition of their dedicated efforts towards promoting environmental sustainability and green initiatives. The award acknowledged the institution's commitment to environmental conservation, eco-friendly practices, and sustainability education. The summit also provided an excellent platform for learning, networking, and exchanging ideas on sustainable development and environmental leadership.